School Lecturer [Sanskrit Edu. Deptt.] Exam-2024

पुर्जा

Exam Date :- 21.11.2024

पुस्तिका में पृष्ठों की संख्या : 16
Number of Pages in Booklet : 16

पुस्तिका में प्रश्नों की संख्या : 150
No. of Questions in Booklet : 150

Paper Code : 08

LSK-24

इस प्रश्न-पुस्तिका को तब तक न खोलें जब तक कहा न जाए । Do not open this Question Booklet until you are asked to do so.

प्रश्न-पुस्तिका संख्या व बारकोड/
Question Booklet No. & Barcode

अविकल

822901

Sub : Sahitya
Paper-II

समय : 03 घण्टे + 10 मिनट अतिरिक्त*
Time : 03 Hours + 10 Minutes Extra*

अधिकतम अंक : 300
Maximum Marks : 300

प्रश्न-पुस्तिका के पेपर की सील/पॉलिथीन बैग को खोलने पर प्रश्न-पत्र हल करने से पूर्व परीक्षार्थी यह सुनिश्चित कर लें कि :
- प्रश्न-पुस्तिका संख्या तथा ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर अंकित बारकोड संख्या समान है ।
- प्रश्न-पुस्तिका एवं ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक के सभी पृष्ठ व सभी प्रश्न सही मुद्रित हैं । समस्त प्रश्न, जैसा कि ऊपर वर्णित है, उपलब्ध हैं तथा कोई भी पृष्ठ कम नहीं है/ मुद्रण त्रुटि नहीं है ।

किसी भी प्रकार की विसंगति या दोषपूर्ण होने पर परीक्षार्थी वीक्षक से दूसरा प्रश्न-पत्र प्राप्त कर लें । यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी अभ्यर्थी की होगी । परीक्षा प्रारम्भ होने के 5 मिनट पश्चात् ऐसे किसी दावे/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा ।

On opening the paper seal/polythene bag of the Question Booklet before attempting the question paper, the candidate should ensure that :
- **Question Booklet Number and Barcode Number of OMR Answer Sheet are same.**
- **All pages & Questions of Question Booklet and OMR Answer Sheet are properly printed. All questions as mentioned above are available and no page is missing/misprinted.**

If there is any discrepancy/defect, candidate must obtain another Question Booklet from Invigilator. Candidate himself shall be responsible for ensuring this. No claim/objection in this regard will be entertained after five minutes of start of examination.

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. **प्रत्येक प्रश्न के लिये एक विकल्प भरना अनिवार्य है ।**
2. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।
3. प्रत्येक प्रश्न का मात्र **एक** ही उत्तर दीजिए । एक से अधिक उत्तर देने की दशा में प्रश्न के उत्तर को गलत माना जाएगा ।
4. **OMR** उत्तर-पत्रक इस प्रश्न-पुस्तिका के अन्दर रखा है । जब आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने को कहा जाए, तो उत्तर-पत्रक निकाल कर ध्यान से केवल **नीले बॉल पॉइंट पेन** से विवरण भरें ।
5. कृपया अपना रोल नम्बर ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक पर सावधानीपूर्वक सही भरें । गलत रोल नम्बर भरने पर परीक्षार्थी स्वयं उत्तरदायी होगा ।
6. **ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक में करेक्शन पेन/व्हाईटनर/सफेदा का उपयोग निषिद्ध है ।**
7. **प्रत्येक गलत उत्तर के लिए प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा ।** गलत उत्तर से तात्पर्य अशुद्ध उत्तर अथवा किसी भी प्रश्न के एक से अधिक उत्तर से है ।
8. **प्रत्येक प्रश्न के पाँच विकल्प दिये गये हैं, जिन्हें क्रमशः 1, 2, 3, 4, 5 अंकित किया गया है । अभ्यर्थी को सही उत्तर निर्दिष्ट करते हुए उनमें से केवल एक गोले (बबल) को उत्तर-पत्रक पर नीले बॉल पॉइंट पेन से गहरा करना है ।**
9. **यदि आप प्रश्न का उत्तर नहीं देना चाहते हैं तो उत्तर-पत्रक में पाँचवें (5) विकल्प को गहरा करें । यदि पाँच में से कोई भी गोला गहरा नहीं किया जाता है, तो ऐसे प्रश्न के लिये प्रश्न अंक का 1/3 भाग काटा जायेगा ।**
10.* **प्रश्न-पत्र हल करने के उपरांत अभ्यर्थी अनिवार्य रूप से ओ.एम.आर. उत्तर-पत्रक जाँच लें कि समस्त प्रश्नों के लिये एक विकल्प (गोला) भर दिया गया है । इसके लिये ही निर्धारित समय से 10 मिनट का अतिरिक्त समय दिया गया है ।**
11. **यदि अभ्यर्थी 10% से अधिक प्रश्नों में पाँच विकल्पों में से कोई भी विकल्प अंकित नहीं करता है, तो उसको अयोग्य माना जायेगा ।**
12. मोबाइल फोन अथवा अन्य किसी इलेक्ट्रोनिक यंत्र का परीक्षा हॉल में प्रयोग पूर्णतया वर्जित है । यदि किसी अभ्यर्थी के पास ऐसी कोई वर्जित सामग्री मिलती है तो उसके विरुद्ध आयोग द्वारा नियमानुसार कार्यवाही की जायेगी ।

चेतावनी : अगर कोई अभ्यर्थी नकल करते पकड़ा जाता है या उसके पास से कोई अनधिकृत सामग्री पाई जाती है, तो उस अभ्यर्थी के विरुद्ध पुलिस में प्राथमिकी दर्ज कराते हुए **राजस्थान सार्वजनिक परीक्षा (भर्ती में अनुचित साधनों की रोकथाम अध्युपाय) अधिनियम, 2022 तथा अन्य प्रभावी कानून एवं आयोग के नियमों-प्रावधानों** के तहत कार्यवाही की जाएगी । साथ ही आयोग ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य में होने वाली आयोग की समस्त परीक्षाओं से विवर्जित कर सकता है ।

INSTRUCTIONS FOR CANDIDATES

1. **It is mandatory to fill one option for each question.**
2. **All** questions carry equal marks.
3. Only **one** answer is to be given for each question. If more than one answers are marked, it would be treated as wrong answer.
4. The **OMR** Answer Sheet is inside this Question Booklet. When you are directed to open the Question Booklet, take out the Answer Sheet and fill in the particulars carefully with **Blue Ball Point Pen** only.
5. Please correctly fill your Roll Number in **OMR** Answer Sheet. Candidate will themself be responsible for filling wrong Roll No.
6. **Use of Correction Pen/Whitener in the O.M.R. Answer Sheet is strictly forbidden.**
7. **1/3 part of the mark(s) of each question will be deducted for each wrong answer.** A wrong answer means an incorrect answer or more than one answers for any question.
8. **Each question has five options marked as 1, 2, 3, 4, 5. You have to darken only one circle (bubble) indicating the correct answer on the Answer Sheet using BLUE BALL POINT PEN.**
9. **If you are not attempting a question then you have to darken the circle '5'. If none of the five circles is darkened, one third (1/3) part of the marks of question shall be deducted.**
10.* **After solving question paper, candidate must ascertain that he/she has darkened one of the circles (bubbles) for each of the questions. Extra time of 10 minutes beyond scheduled time, is provided for this.**
11. **A candidate who has not darkened any of the five circles in more than 10% questions, shall be disqualified.**
12. Mobile Phone or any other electronic gadget in the examination hall is strictly prohibited. A candidate found with any of such objectionable material with him/her will be strictly dealt as per rules.

Warning : If a candidate is found copying or if any unauthorized material is found in his/her possession, F.I.R. would be lodged against him/her in the Police Station and he/she would liable to be prosecuted under **Rajasthan Public Examination (Measures for Prevention of Unfair Means in Recruitment) Act, 2022 & any other laws applicable and Commission's Rules-Regulations.** Commission may also debar him/her permanently from all future examinations.

उत्तर-पत्रक में दो प्रतियाँ हैं – मूल प्रति और कार्बन प्रति । परीक्षा समाप्ति पर परीक्षा कक्ष छोड़ने से पूर्व परीक्षार्थी उत्तर-पत्रक की दोनों प्रतियाँ वीक्षक को सौंपेंगे, परीक्षार्थी स्वयं कार्बन प्रति अलग नहीं करें । वीक्षक उत्तर-पत्रक की मूल प्रति को अपने पास जमा कर, कार्बन प्रति को मूल प्रति से कट लाइन से मोड़ कर सावधानीपूर्वक अलग कर परीक्षार्थी को सौंपेंगे, जिसे परीक्षार्थी अपने साथ ले जायेंगे । परीक्षार्थी को उत्तर-पत्रक की कार्बन प्रति चयन प्रक्रिया पूर्ण होने तक सुरक्षित रखनी होगी एवं आयोग द्वारा माँगे जाने पर प्रस्तुत करनी होगी ।

08-☐

1. मेघदूते दशार्णानां राजधानी अस्ति
(1) अवन्तिका (2) अलका
(3) अमरावती (4) विदिशा
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

2. मेघदूते कः पर्वतः भृगुपतियशोवर्त्मरूपेण वर्णितोऽस्ति ?
(1) क्रौञ्चरन्ध्रः (2) आम्रकूटः
(3) नीचैः (4) कैलासः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

3. मेघदूते "वेणीभूतप्रतनुसलिलाऽसावनीतस्य सिन्धुः" इत्यत्र कस्याः नद्याः वर्णनमस्ति ?
(1) वेत्रवत्याः (2) निर्विन्ध्यायाः
(3) गन्धवत्याः (4) शिप्रायाः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

4. मेघदूते नयनसुभगं मेघं खे के सेविष्यन्ते ?
(1) बलाकाः (2) चातकाः
(3) मयूराः (4) राजहंसाः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

5. मेघदूते "वन्द्यैः पुंसां रघुपतिपदैरङ्कितं मेखलासु" इत्यस्मिन् कः पर्वतः सङ्केतितः ?
(1) आम्रकूटः (2) रामगिरिः
(3) कैलासः (4) विन्ध्यपादः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

6. कविः रघुवंशस्य प्रथमपद्ये कौ प्रणमति ?
(1) वागर्थौ
(2) स्वपितरौ
(3) सम्पृक्तौ रघोः पितरौ
(4) पार्वतीपरमेश्वरौ
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

7. रघुवंशकारः कालिदासः दुस्तरं सागरं मोहात् केन तितीर्षुरस्ति ?
(1) उडुपेन (2) सुकृतेन
(3) दुष्कृतेन (4) विमानेन
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

8. 'तया मेने मनस्विन्या लक्ष्म्या च वसुधाधिपः' उक्तानुसारं दिलीपः सुदक्षिणया राज्यलक्ष्म्या च आत्मानं कीदृशं मेने ?
(1) सदक्षिणम् (2) ससम्पदम्
(3) कलत्रवन्तम् (4) कीर्तिमन्तम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

9. सुष्ठु मेलनं कुरुत
क. शैशवे i. मुनिवृत्तिनाम्
ख. यौवने ii. अभ्यस्तविद्यानाम्
ग. वार्द्धके iii. तनुत्यजाम्
घ. योगेनान्ते iv. विषयैषिणाम्

	क	ख	ग	घ
(1)	i	iii	iv	ii
(2)	ii	iv	i	iii
(3)	ii	i	iii	iv
(4)	i	ii	iii	iv

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

10. "अविघ्नमस्तु ते स्थेयाः पितेव धुरि पुत्रिणाम्" रघुवंशे वाक्यमिदं कः कं प्रति कथयति ?
(1) नन्दिनी दिलीपं प्रति
(2) वसिष्ठः दक्षिणां प्रति
(3) नन्दिनी सुदक्षिणां प्रति
(4) वसिष्ठः दिलीपं प्रति
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

11. पूज्य पूजाव्यतिक्रमः किं प्रतिबध्नाति ?
(1) श्रेयः (2) प्रेयः
(3) धर्मः (4) वर्म
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

12. गुणानुबन्धित्वात् तस्य दिलीपस्य गुणाः कीदृशाः अभूवन् ?
(1) सानुशया इव (2) सानुचरा इव
(3) साधुतरा इव (4) सप्रसवा इव
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

13. 'सोऽहमिज्याविशुद्धात्मा प्रजालोपनिमीलितः' । अत्र 'इज्या' इत्यस्य कोऽर्थः ?
(1) योगः (2) यागः
(3) यशः (4) यात्रा
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

14. रघुवंशानुसारं दिलीपस्य राज्यस्य कति अङ्गेषु कुशलमासीत् ?
(1) पञ्चसु (2) षट्सु
(3) सप्तसु (4) अष्टसु
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

15. रघुवंशकारमते हेम्नः विशुद्धिः श्यामिकाऽपि वा कुत्र संलक्ष्यते ?
(1) शाणे (2) जले
(3) अग्नौ (4) शरीरे
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

16. 'सुष्ठु तर्कितम् । अल्पं तुल्यशीलानि द्वन्द्वानि सृज्यन्ते ।' तत्र हि पादयोरस्मि पतितः । इति वचनं कस्य ?
(1) रामस्य (2) सीतायाः
(3) लक्ष्मणस्य (4) चेट्याः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

17. "गुरोर्मे पादशुश्रूषां त्वमेका कर्तुमिच्छसि ।
तवैव दक्षिणः पादो मम सव्यो भविष्यति ।।"
प्रतिमानाटके वचनमिदं कथयति
(1) रामः (2) दशरथः
(3) लक्ष्मणः (4) भरतः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

18. 'नरपतिनिधनं, भवत्प्रवासं, भरतविषादमनाथतां कुलस्य' – सुमन्त्रः इदं वचनं ब्रूते
(1) सहर्षम् (2) सासूयम्
(3) सशोकम् (4) साश्चर्यम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

19. 'निर्दोषदृश्या हि भवन्ति नार्यो यज्ञे विवाहे व्यसने वने च ।' रामस्योक्तिरियं कं प्रति वर्तते ?
(1) सीतां प्रति (2) काञ्चुकीयं प्रति
(3) पौरान् प्रति (4) लक्ष्मणं प्रति
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

20. प्रतिमानाटके भरतवचनानुसारं माता कस्मात् अमाता भवति ?
(1) पुत्रद्रोहात् (2) राज्यद्रोहात्
(3) भर्तृद्रोहात् (4) द्रोहात्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

21. 'वयमयशसा, चीरेणार्यो, नृपो गृहमृत्युना,
.... त्वया ननु योजिताः ।।'
तृतीयाङ्कस्य अस्मिन् श्लोके 'वयम्' इत्यस्यं कोऽर्थः ?
(1) चत्वारो भ्रातरः
(2) सीतासहितौ रामलक्ष्मणौ
(3) कैकेयीसहितौ भरतशत्रुघ्नौ
(4) भरतः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

22. 'राज्यं नाम मुहूर्तमपि नोपेक्षणीयम्' इति प्रतिमानाटके कः वदति ?
(1) सुमन्त्रः (2) लक्ष्मणः
(3) भरतः (4) रामः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

23. प्रतिमानाटके 'पृथिव्यां मानुषीणां एका अरुन्धती' इति सीताविषयकं वचनं कः वदति ?
(1) दशरथः (2) रामः
(3) सुमन्त्रः (4) रावणः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

24. "अनपत्या वयं रामः पुत्रोऽन्यस्य महीपतेः ।
वने व्याघ्री च कैकेयी त्वया किं न कृतं त्रयम् ।।"
विलपन् दशरथः वाक्यमिदं कं प्रति कथयति ?
(1) रामं प्रति (2) सुमन्त्रं प्रति
(3) कैकेयीं प्रति (4) कृतान्तहतकं प्रति
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

25. प्रतिमानाटके वर्णितप्रसङ्गानाम् अङ्कैः सह सुमेलनं कुरुत

क.	वल्कलवस्त्रैः सीतायाः क्रीडा	i.	द्वितीयेऽङ्के
ख.	दशरथ विलापः	ii.	पञ्चमेऽङ्के
ग.	सीतायाः हरणम्	iii.	षष्ठेऽङ्के
घ.	कैकेय्याः दोषपरिहारवर्णनम्	iv.	प्रथमेऽङ्के

	क	ख	ग	घ
(1)	i	iv	ii	iii
(2)	iv	i	ii	iii
(3)	iv	ii	iii	i
(4)	i	iv	iii	ii

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

26. उदाहरणानि छन्दोनामभिः योजनीयानि

क.	हितं मनोहारि च दुर्लभं वचः	i.	भुजङ्गप्रयातम्
ख.	त्वमेव माता च पिता त्वमेव	ii.	वसन्ततिलका
ग.	न तातो न माता न बन्धुर्न दाता	iii.	उपेन्द्रवज्रा
घ.	न्यायात् पथः प्रविचलन्ति पदं न धीराः	iv.	वंशस्थः

	क	ख	ग	घ
(1)	iv	iii	i	ii
(2)	iv	i	ii	iii
(3)	i	iv	ii	iii
(4)	i	ii	iii	iv

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

27. यत्र प्रतिचरणं क्रमशः नगणः भगणौ रगणश्च भवन्ति तत्र किं छन्दः ?

(1) वंशस्थम् (2) द्रुतविलम्बितम्
(3) भुजङ्गप्रयातम् (4) उपजातिः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

28. आर्याछन्दसि क्रमशः चतुर्षु चरणेषु निम्नांकितेषु सुसंगतः मात्राक्रमः वर्तते

(1) 12, 12, 15, 18
(2) 18, 12, 15, 12
(3) 12, 15, 15, 12
(4) 12, 18, 12, 15
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

29. यस्य छन्दसः प्रतिचरणं नगणद्वयं तिष्ठति, तदस्ति छन्दः

(1) इन्द्रवज्रा (2) द्रुतविलम्बितम्
(3) आर्या (4) मालिनी
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

30. यत्र मगण-रगण-भगण-नगण-यगणत्रयं स्यात् तच्छन्दः वर्तते

(1) मन्दाक्रान्ता (2) स्रग्धरा
(3) शार्दूलविक्रीडितम् (4) शिखरिणी
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

31. 'अयमश्वशब्दवाच्यः' इत्यत्र अश्वपदार्थस्य सङ्केतग्रहः भवति

(1) वृद्धव्यवहारतः
(2) उपमानात्
(3) प्रसिद्धपदसमभिव्याहारात्
(4) आप्तोपदेशात्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

32. आचार्यविश्वनाथमते लक्षणाशक्तिर्नास्ति

(1) स्वाभाविका (2) स्वाभाविकेतरा
(3) अर्पिता (4) ईश्वरानुद्भाविता
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

33. "विरतास्वभिधाद्यासु ययाऽर्थो बोध्यते परः" अत्र का वृत्तिरभिहिता वर्तते ?

(1) अभिधा (2) तात्पर्या
(3) लक्षणा (4) व्यञ्जना
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

34. वाक्यार्थे परस्यान्वयसिद्धये स्वस्य अर्पणं यत्र भवति, उपलक्षणहेतुत्वाद् एषा कथ्यते
(1) उपादानलक्षणा (2) लक्षणलक्षणा
(3) रूढिलक्षणा (4) प्रयोजनवतीलक्षणा
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

35. आरोपाध्यवसानाभ्यां प्रत्येकं ता अपि द्विधा। अत्र 'ताः' इति काः ?
(1) पूर्वोक्ताः चतुर्भेदलक्षणाः
(2) पूर्वोक्ताः त्रिधा लक्षणाः
(3) उपादानलक्षणा
(4) लक्षणलक्षणा
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

36. साहित्यदर्पणकारमते निम्नांकितेषु युग्ममिदमसङ्गतं वर्तते
(1) रूढावुपादानलक्षणा साध्यवसाना – श्वेतो धावति
(2) रूढावुपादानलक्षणा सारोपा – अश्वःश्वेतो धावति
(3) प्रयोजनवत्युपादानलक्षणा सारोपा – एते कुन्ताः प्रविशन्ति
(4) रूढौ लक्षणलक्षणा सारोपा – कलिङ्गः साहसिकः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

37. विश्वनाथमते सारोपालक्षणा कस्यालङ्कारस्य बीजमस्ति ?
(1) अतिशयोक्तेः (2) रूपकस्य
(3) उपमायाः (4) उत्प्रेक्षायाः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

38. अनेकार्थस्य शब्दस्य संयोगाद्यैः नियन्त्रिते सति एकार्थे या अन्यधीहेतुः भवति सा कथ्यते
(1) अभिधामूला व्यञ्जना
(2) लक्षणामूला व्यञ्जना
(3) आर्थी व्यञ्जना
(4) व्यञ्जनाश्रया व्यञ्जना
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

39. विश्वनाथानुसारं यस्य कृते लक्षणोपास्यते तत् प्रयोजनं यया शक्त्या प्रत्याय्यते सा भवति
(1) अभिधामूला व्यञ्जना
(2) लक्षणामूला व्यञ्जना
(3) लक्षणाशक्तिः
(4) तात्पर्यावृत्तिः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

40. 'त्रैविध्यादियमर्थानां प्रत्येकं त्रिविधा मता।' अत्र 'इयम्' इति का ?
(1) अभिधा (2) लक्षणा
(3) शाब्दीव्यञ्जना (4) आर्थीव्यञ्जना
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

41. "रसाः प्रतीयन्त इति त्वोदनं पचतीतिवद् व्यवहारः" इति केनोक्तम् ?
(1) लोचनकारैः (2) ध्वनिकारैः
(3) काव्यप्रकाशकारैः (4) वक्रोक्तिकारैः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

42. "रसे सारश्चमत्कारः सर्वत्राप्यनुभूयते। तच्चमत्कारसारत्वे सर्वत्राप्यद्भुतो रसः ॥" इति कथनमस्ति
(1) पण्डितनारायणस्य
(2) पण्डितजगन्नाथस्य
(3) धर्मदत्तस्य
(4) विश्वनाथस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

43. लोके रत्याद्युद्बोधकाः काव्यनाट्ययोः कथ्यन्ते
(1) अनुभावाः (2) विभावाः
(3) व्यभिचारिभावाः (4) सात्त्विकभावाः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

44. स्वाकारवदभिन्नत्वेन कः आस्वाद्यते ?
(1) रसः (2) रूपम्
(3) गुणः (4) अलङ्कारः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

45. अधोलिखितरसानां स्व-स्ववर्णेन सुमेलनं कुरुत

क. शृङ्गारः i. श्वेतवर्णः

ख. हास्यः ii. रक्तवर्णः

ग. करुणः iii. कपोतवर्णः

घ. रौद्रः iv. श्यामवर्णः

	क	ख	ग	घ
(1)	iv	i	iii	ii
(2)	ii	iii	i	iv
(3)	iii	iv	ii	i
(4)	i	ii	iii	iv

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

46. स्थायिनि रत्यादौ उन्मग्ननिर्मग्ना निर्वेदादयः कथ्यन्ते

(1) स्थिरभावाः (2) सत्त्वादिगुणाः

(3) व्यभिचारिणः (4) अनुभावाः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

47. यत्र काव्ये शोच्यं वस्तु आलम्बनम्, तस्य दाहादिक्रिया उद्दीपनम्, दैवनिन्दाभूपातक्रन्दितादयश्च अनुभावाः स्युः, तत्र कः रसः ?

(1) विप्रलम्भशृङ्गारः (2) बीभत्सः

(3) रौद्रः (4) करुणः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

48. रसैः सह देवानां सम्यक् मेलनं कुरुत

रसः देवः

क. करुणः i. प्रमथः

ख. रौद्रः ii. यमः

ग. शृङ्गारः iii. रुद्रः

घ. हास्यः iv. विष्णुः

	क	ख	ग	घ
(1)	i	ii	iii	iv
(2)	ii	iii	iv	i
(3)	iii	iv	i	ii
(4)	iv	i	ii	iii

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

49. साहित्यदर्पणे वर्णिताभिनयस्य चतुर्विधप्रकारेषु नास्ति

(1) राजसिकः (2) सात्त्विकः

(3) आहार्यः (4) वाचिकः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

50. नाटके कति सन्धयः प्रयुज्यन्ते ?

(1) चत्वारः (2) पञ्च

(3) त्रयः (4) नव

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

51. यत्र बीजवन्तो मुखाद्यर्था विप्रकीर्णा यथायथम् एकार्थमुपनीयन्ते तद् भवति

(1) मुखम् (2) प्रतिमुखम्

(3) निर्वहणम् (4) विमर्शः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

52. फलप्रधानोपायस्य मुखसन्धिनिवेशिनः लक्ष्यालक्ष्य इवोद्भेदो यत्र भवति तत्र कः सन्धिः ?

(1) मुखसन्धिः (2) प्रतिमुखसन्धिः

(3) गर्भसन्धिः (4) विमर्शसन्धिः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

53. साहित्यदर्पणानुसारं महाकाव्यलक्षणेषु नास्ति

(1) चत्वारः तस्य वर्गाः स्युः

(2) खलादीनां च गुणकीर्तनम्

(3) धीरोदात्तगुणान्वितः नायकः

(4) सर्गा अष्टाधिका इह

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

54. ऋषिप्रणीतमहाकाव्ये सर्गाः भवन्ति

(1) व्याख्यानसंज्ञकाः (2) आख्यानसंज्ञकाः

(3) आश्वाससंज्ञकाः (4) आर्षसंज्ञकाः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

55. दशरूपकभेदेषु इदं न परिगण्यते

(1) वीथी (2) डिमः

(3) सट्टकम् (4) अङ्कः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

56. संस्कृतकाव्यशास्त्रकारेषु प्रथमतः काव्यस्य स्वरूपनिर्धारणं केन कृतम् ?
(1) भरतमुनिना (2) रुद्रटेन
(3) भामहेन (4) उद्भटेन
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

57. 'रीतिरात्मा काव्यस्य' इति लिखित्वा रीतिसम्प्रदायं कः प्रवर्तितवान् ?
(1) कुन्तकः (2) वामनः
(3) धनञ्जयः (4) राजशेखरः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

58. भामहस्य काव्यशास्त्रविषयको ग्रन्थः कोऽस्ति ?
(1) काव्यालङ्कारः
(2) अलंकारशेखरः
(3) अलंकारसंग्रहः
(4) अलंकारसर्वस्वम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

59. "विभावानुभावव्यभिचारिसंयोगाद्रसनिष्पत्तिः" इतीदं प्रसिद्धं रससूत्रं नाट्यशास्त्रस्य कस्मिन्नध्याये वर्तते ?
(1) पंचमे अध्याये (2) सप्तमे अध्याये
(3) षष्ठे अध्याये (4) अष्टमे अध्याये
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

60. 'वक्रोक्तिजीवितम्' इति ग्रन्थं प्रणीतवान्
(1) जयदेवः
(2) क्षेमेन्द्रः
(3) पण्डितराजो जगन्नाथः
(4) कुन्तकः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

61. 'नवानधोऽधो बृहतः पयोधरान् समूढकर्पूरपरागपाण्डुरम्' – नारदः केन स्फुटोपमः कथितः ?
(1) धराधरेन्द्रेण (2) शम्भुना
(3) शितिवासस्तन्वा (4) उच्चकैर्धनेन
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

62. गृहीतुमार्यान्परिचर्यया मुहुः हि नितान्तमर्थिनः के भवन्ति ?
(1) महानुभावाः (2) देवाः
(3) राजानः (4) महर्षयः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

63. "श्रेयसि केन तृप्यते" सूक्तिरियं शिशुपालवधे कः कं प्रति कथयति ?
(1) नारदः श्रीकृष्णं प्रति
(2) श्रीकृष्णः नारदं प्रति
(3) इन्द्रः श्रीकृष्णं प्रति
(4) ब्रह्मा नारदं प्रति
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

64. 'सतीव योषित्प्रकृतिः सुनिश्चला पुमांसमभ्येति भवान्तरेष्वपि' सूक्तिरियं प्राप्यते
(1) मृच्छकटिके (2) शिशुपालवधे
(3) रघुवंशे (4) प्रतिमानाटके
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

65. शिशुपालवधानुसारं मनीषिणः केषां गृहान् प्रणयात् उपैतुम् अभीप्सवः न भवन्ति ?
(1) अपुण्यकृताम् (2) पुण्यकृताम्
(3) देवानाम् (4) सज्जनानाम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

66. बाणभट्टस्य वंशप्रवर्तकः कुबेरः कस्मिन् वंशे जन्म अलभत ?
(1) कात्यायने (2) लाट्यायने
(3) गार्ग्यायणे (4) वात्स्यायने
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

67. कादम्बर्यां शबराणां मित्राणि क्रूरकर्मसाधनानि कथितानि
(1) श्वानाः (2) शार्दूलाः
(3) धनूंषि (4) शूलानि
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

68. राज्ञः शूद्रकस्य राजधानी का आसीत् ?

(1) उज्जयिनी (2) काञ्ची

(3) विदिशा (4) काशी

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

69. कादम्बरीकथामुखे कस्य पश्चिमे तीरे महान् जीर्णः शाल्मलीवृक्षः आसीत् ?

(1) गोदावर्याः

(2) पम्पासरोवरस्य

(3) अच्छोदसरोवरस्य

(4) दण्डकवनस्य

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

70. 'स्तनयुगमश्रुस्नातं समीपतरवर्तिहृदयशोकाग्नेः ।
चरतिविमुक्ताहारं व्रतमिव भवतो रिपुस्त्रीणाम् ॥'
अत्र 'भवतः' इति पदस्य अर्थोऽस्ति

(1) शुकस्य (2) चाण्डालदारकस्य

(3) शोकाग्नेः (4) शूद्रकस्य

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

71. निम्नलिखितेषु कतरत् पदं 'विन्ध्याटवी' इति पदस्य विशेषणं नास्ति :

(1) मध्यदेशालङ्कारभूता

(2) मेखलेव भुवः

(3) सकलभुवनविख्यातम्

(4) पादपैरुपशोभिता

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

72. "कच्चिदभिमतमास्वादितमाभ्यन्तरे भवता किञ्चिदशनजातम्" इत्येवं राजा कमपृच्छत् ?

(1) शबरकन्यकाम् (2) वृद्धशबरम्

(3) वैशम्पायनम् (4) पुण्डरीकम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

73. कादम्बरीकथायां जाबालितनयः आसीत्

(1) सनत् कुमारः (2) हारीतः

(3) नचिकेता (4) वैशम्पायनः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

74. 'उपजातकुतूहलस्तु राजा समीपवर्तिनां राज्ञामवलोक्य मुखानि को दोषः प्रवेश्यताम् ।' अत्र कस्य प्रवेशः अनुमतः ?

(1) चाण्डालकन्यायाः (2) प्रतिहार्याः

(3) कञ्चुकेः (4) ऋषिकुमारस्य

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

75. 'एवमुक्तस्तु स महामुनिरग्रतः स्थितं मामवलोक्य तांश्च सर्वानेकाग्राञ्छ्रवणपरान् मुनीन् शनैः शनैरब्रवीत् ।'
अत्र 'सः' इति कः ?

(1) वैशम्पायनः (2) हारीतः

(3) जालपादः (4) जाबालिः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

76. मृच्छकटिके चारुदत्तस्य परिणीता पत्नी का अस्ति ?

(1) मदनिका (2) रदनिका

(3) वसन्तसेना (4) धूता

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

77. "साहसे श्रीः प्रतिवसति" इत्युक्तिं कः कं प्रति कथयति ?

(1) शर्विलकः मदनिकां प्रति

(2) रदनिका चारुदत्तं प्रति

(3) शर्विलकः वसन्तसेनां प्रति

(4) वसन्तसेना शर्विलकं प्रति

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

78. 'तपसा मनसा वाग्भिः पूजिता बलिकर्मभिः ।
तुष्यन्ति शमिनां नित्यं देवताः किं विचारितैः ॥'
इति कः कथयति ?

(1) मैत्रेयः (2) चारुदत्तः

(3) शर्विलकः (4) वसन्तसेना

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

79. 'यं समालम्ब्य विश्वासं
न्यासोऽस्मासु तया कृतः ।
तस्यैतन्महतो मूल्यं
प्रत्ययस्यैव दीयते ॥'

इत्येतत् कथनमस्ति –

(1) मैत्रेयस्य (2) शर्विलकस्य
(3) चारुदत्तस्य (4) संवाहकस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

80. 'अहो अहो, साधु साधु, रेभिलेन गीतम् । वीणा हि नाम असमुद्रोत्थितं रत्नम् ।' – चारुदत्तस्येदं कथनं कस्मिन्नङ्केऽस्ति ?

(1) द्वितीये (2) तृतीये
(3) चतुर्थे (4) पञ्चमे
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

81. न भीतो मरणादस्मि केवलं दूषितं यशः ।
"विशुद्धस्य हि मे मृत्युः पुत्रजन्मसमो भवेत्" कस्योक्तिरियं मृच्छकटिके ?

(1) शकारस्य (2) शर्विलकस्य
(3) विदूषकस्य (4) चारुदत्तस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

82. मृच्छकटिकानुसारं कस्य दिशः शून्याः भवन्ति ?

(1) अपुत्रस्य (2) मूर्खस्य
(3) दरिद्रस्य (4) अमित्रस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

83. मृच्छकटिकस्य कस्मिन् अङ्के वसन्तसेनायाः मोटनस्य घटना वर्णितास्ति ?

(1) सप्तमेऽङ्के (2) अष्टमेऽङ्के
(3) नवमेऽङ्के (4) दशमेऽङ्के
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

84. मृच्छकटिके राजश्यालः कोऽस्ति ?

(1) शोधनकः (2) विटः
(3) अधिकरणिकः (4) शकारः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

85. चारुदत्तेन ब्राह्मणानाम् अमौक्तिकमसौवर्णं विभूषणम् कथितम् ?

(1) कौशेयम् (2) शास्त्रम्
(3) यज्ञोपवीतम् (4) शिखा
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

86. मम्मटमते कवित्वबीजरूपः संस्कारविशेषः कः ?

(1) निपुणता (2) शक्तिः
(3) शिक्षा (4) अभ्यासः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

87. "निश्शेषच्युतचन्दनमि" त्यस्मिन् ध्वनिकाव्यस्योदाहरणे
"तदन्तिकमेव रन्तुं गताऽसीति" केन पदेन प्राधान्येन व्यज्यते ?

(1) उत्तमपदेन (2) मध्यमपदेन
(3) उत्तमोत्तमपदेन (4) अधमपदेन
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

88. "इदमुत्तममतिशयिनि व्यङ्ग्ये वाच्याद् ध्वनिर्बुधैः कथितः" इत्यत्र बुधैः पदेन के निर्दिष्टाः ?

(1) वैयाकरणाः (2) वैदिकाः
(3) आलङ्कारिकाः (4) नैयायिकाः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

89. वाच्यादतिशयिनि व्यङ्ग्ये सति कीदृक् काव्यं भवति ?

(1) मध्यमकाव्यम् (2) उत्तमकाव्यम्
(3) शब्दचित्रम् (4) अर्थचित्रम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

90. आचार्य मम्मटमते सकलप्रयोजनमौलिभूतं काव्य-प्रयोजनम् अस्ति

(1) शिवेतरक्षतिः (2) उपदेशदानम्

(3) सद्यः परनिर्वृतिः (4) आचारपरिज्ञानम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

91. 'करुणे विप्रलम्भे तच्छान्ते चातिशयान्वितम्' अस्य कथनस्य कारणं मम्मटेन किं लिखितम् ?

(1) श्रव्यत्वात्

(2) आह्लादहेतुत्वात्

(3) अत्यन्तद्रुतिहेतुत्वात्

(4) सर्वसंवेद्यत्वात्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

92. वीररसस्थिति दीप्त्यात्मविस्तृतेर्हेतुर्भवति कः ?

(1) ओजः (2) उत्साहः

(3) औज्ज्वल्यम् (4) प्रसादः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

93. मम्मटेन को गुणः सर्वत्रविहितस्थितिः कथितः ?

(1) माधुर्यम् (2) ओजः

(3) प्रसादः (4) उदारता

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

94. मम्मटसम्मते ओजसि वामनोक्तः कतमो गुणः समाहितः नास्ति ?

(1) श्लेषः (2) समाधिः

(3) प्रसादः (4) अर्थव्यक्तिः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

95. "काव्यप्रकाशानुसारं श्रुतिमात्रेण शब्दात्तु येनार्थप्रत्ययो भवेत्" स गुणो मतः

(1) माधुर्यगुणः (2) ओजगुणः

(3) प्रसादगुणः (4) समाधिगुणः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

96. "नाशङ्कनीयमेतेषाम् मतमेतेन दूष्यते ।" इत्यत्र 'एतेषाम्' पदस्य कः आशयः ?

(1) रसज्ञानाम् (2) रमणीनाम्

(3) मृगाक्षीणाम् (4) पूर्वाचार्याणाम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

97. जयदेवानुसारं काव्यहेतुरस्ति –

(1) श्रुतमेव

(2) अभ्यास एव

(3) केवला प्रतिभा

(4) श्रुताभ्याससहिता प्रतिभैव

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

98. सम्भिन्नयौगिकस्य शास्त्रीयशब्दस्य उदाहरणमस्ति –

(1) कौन्तेयः (2) मण्डपः

(3) भ्रान्तिः (4) नीरधिः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

99. अनलङ्कृती शब्दार्थौ काव्यत्वेन कः अङ्गीकरोति ?

(1) जयदेवः (2) क्षेमेन्द्रः

(3) मम्मटः (4) विश्वनाथः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

100. अर्थसमापितः पदानां व्यूहः किं कथ्यते ?

(1) विभक्त्यन्तम् (2) वाक्यम्

(3) लक्षणम् (4) काव्यम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

101. 'महादेवः सत्रप्रमुखमखविद्यैकचतुरः' इत्यत्र 'मखविद्या' इत्यस्य कोऽर्थः ?

(1) मन्त्रस्मृतिः (2) काव्यविद्या

(3) शस्त्रविद्या (4) यज्ञविद्या

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

102. सुष्ठु मेलनं कुरुत

क. अव्यक्तयोगोरूढः i. भ्रान्तिः
ख. शुद्धयौगिकः ii. स्फुरत्कान्तिः
ग. यौगिकमूलयौगिकः iii. पङ्कजः
घ. योगरूढः iv. वृक्षशब्दः

	क	ख	ग	घ
(1)	i	ii	iv	iii
(2)	iv	i	ii	iii
(3)	ii	iii	i	iv
(4)	iv	ii	iii	i

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

103. पीयूषवर्षानुसारं योगरूढशब्दो भवति

(1) द्विविधः (2) त्रिविधः
(3) चतुर्विधः (4) पञ्चविधः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

104. विभक्त्युत्पत्तये योग्यशास्त्रीयशब्देषु न वर्तते

(1) रूढः (2) शुद्धः
(3) मिश्रः (4) यौगिकः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

105. अर्थसमाप्तिं विना सम्बद्धार्थप्रतिपादिकानि पदानि कथ्यन्ते

(1) वाक्यम् (2) मिश्रवाक्यम्
(3) खण्डकाव्यम् (4) असद्वाक्यम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

106. हन्त्यादेः गमनाद्यर्थेषु प्रयोगे सति कः काव्यदोषो मतः ?

(1) अप्रयुक्तत्वम् (2) नेयार्थत्वम्
(3) अवाचकत्वम् (4) असमर्थम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

107. 'तव दुग्धाब्धिसम्भूतेः कथं जाता कलङ्किता'
अत्र को दोषः अदोषतां गतः ?

(1) ग्राम्यत्वम् (2) नेयार्थत्वम्
(3) विद्याविरुद्धः (4) विरुद्धमतिकृत्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

108. 'स्याच्चेतोविशता येन सक्षता रमणीयता'
अस्मिन् वाक्ये कः निरूपितः ग्रन्थकारेण ?

(1) शब्दः (2) अर्थः
(3) दोषः (4) अलङ्कारः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

109. 'लक्षणात्यन्तप्रसरादमनोहरम्' पदं भवति

(1) निरर्थकम् (2) भग्नप्रक्रमम्
(3) क्लिष्टम् (4) नेयार्थम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

110. असंगतं युग्मं चिनुत

(1) श्यामाब्जश्यामलोचना – कथितम्
(2) हरिप्रियापितृवधूप्रवाहप्रतिमं वचः – क्लिष्टम्
(3) लौहितादौ शोणितादिप्रयोगतः – भग्नप्रक्रमम्
(4) दैवतादिशब्दे पुंल्लिङ्गतादिकम् – अप्रयुक्तम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

111. "काव्ये यत्र भिन्नाभिप्राया पुनरुक्तता स्यात्" तत्रोक्तः अलङ्कारः

(1) छेकानुप्रासः (2) वृत्त्यनुप्रासः
(3) लाटानुप्रासः (4) यमकम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

112. 'स्त्रीभिः कामः प्रियैश्चन्द्रः कालः शत्रुभिरैक्षि सः ।'
अत्रालङ्कारो वर्तते

(1) उल्लेखः (2) रूपकम्
(3) उत्प्रेक्षा (4) प्रतिवस्तूपमा
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

113. यत्र काव्ये कार्यादेः कारणाद्यवधारणं भवति, तत्र अलङ्कारः स्वीकृतः

(1) काव्यलिङ्गम् (2) परिणामः
(3) दृष्टान्तः (4) अनुमानम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

114. 'शैला इवोन्नताः, सन्तः किं तु प्रकृतिकोमलाः ।' इत्युदाहरणं कस्यालङ्कारस्य वर्तते ?

(1) उपमायाः (2) प्रतिवस्तूपमायाः
(3) व्यतिरेकस्य (4) अतिशयोक्तेः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

8229901

115. यत्र कारणं विनापि यदि कार्यजन्म वर्ण्यते, तत्र कोऽलङ्कारो मतः ?

(1) विशेषोक्तिः (2) सहोक्तिः
(3) विनोक्तिः (4) विभावना
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

8229901

116. मेघदूते मेघम् अन्तःसारं तुलयितुं कः न शक्ष्यति ?

(1) अनलः (2) अनिलः
(3) आम्रकूटः (4) यक्षः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

117. आशाबन्धो ह्यङ्गनानां विप्रयोगे किं रुणद्धि ?

(1) हृदयम् (2) सद्यःपाति
(3) कुंसुमसदृशम् (4) प्रणयि
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

8229901

118. 'न क्षुद्रोऽपि प्रथमसुकृतापेक्षया संश्रयाय
प्राप्ते मित्रे भवति विमुखः किं पुनर्यस्तथोच्चैः ।'
अत्र 'यः' इति पदेन कः कथितः ?

(1) पुष्करः (2) आम्रकूटः
(3) हिमाद्रिः (4) आवर्तकः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

8229901

119. प्रियेषु विभ्रमः केषामाद्यं प्रणयवचनं भवति ?

(1) यूनाम् (2) पुरुषाणाम्
(3) स्त्रीणाम् (4) वियुक्तानाम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

120. प्रार्थनाचाटुकारः प्रियतम इव शिप्रावातः स्त्रीणां किं हरति ?

(1) नयनौन्निद्र्यम् (2) सुरतग्लानिम्
(3) दिनकृत्तापम् (4) पुलकस्तोमम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

121. अपरिपक्व–अधिगमकर्तृणाम् अधिगमाय मनोविज्ञानानुसारं शिक्षण – विधिः प्रयुज्यते

(1) सम्पूर्ण – विधिः
(2) खण्ड – विधिः
(3) मध्यवर्ती – विधिः
(4) संकलित – विधिः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

122. अभिसारिचिन्तनम् अपसारिचिन्तनञ्च कस्याः अवस्थायाः विशेषताद्वयम् ?

(1) शैशवावस्थायाः
(2) पूर्वबाल्यावस्थायाः
(3) किशोरावस्थायाः
(4) उत्तरबाल्यावस्थायाः
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

123. अधोलिखितेषु कोहलबर्ग (Kohlberg) महोदयेन निगदितं नैतिकविकासस्य उच्चपरम्परागतस्तरस्य सोपानमस्ति –

(1) यांत्रिक – सापेक्षाभिमुखीकरणम्
(2) परस्परम् एकरूपाभिमुखीकरणम्
(3) सामाजिकानुबन्ध – विधिसम्मिताभिमुखीकरणम्
(4) अधिकार – संरक्षणाभिमुखीकरणम्
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

124. संज्ञानात्मकविकासाय 'प्रेक्षणात्मकाधिगमः' इति विचारधारा वर्तते –

(1) एल्बर्ट वैण्डुरा महोदयस्य
(2) बी.एफ.स्कीनर महोदयस्य
(3) के.जी.जॉनसन महोदयस्य
(4) जीन पियाजे महोदयस्य
(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

125. हरलॉक (1981) महोदयस्यानुसारेण किशोरावस्था अस्ति

(1) आदर्शवादस्य अवस्था

(2) प्रयोजनवादस्य अवस्था

(3) यथार्थवादस्य अवस्था

(4) अयथार्थवादस्य अवस्था

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

126. जीन पियाजे (Jean Piaget) महोदयेन प्रतिपादितस्य नैतिकविकासस्य स्तरेषु केवलमेव किशोरावस्थया सहसम्बद्धः अस्ति

(1) नैतिकयथार्थता

(2) नैतिकसमानता नैतिकसापेक्षताश्च

(3) नैतिकसमानता

(4) नैतिकसापेक्षता

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

127. विशेषतादृशा किशोरावस्था 'Period of great stress and strain' इति केनोक्तम्

(1) क्रो एवं क्रो (2) डी.पी. आसुबेल

(3) बी.एन्. झा (4) स्टेनली हॉल

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

128. शिक्षणाधिगमयोः सम्बन्धः निरूपयितुं शक्यते

(1) साधनतन्त्र – लक्ष्यरूपेण

(2) द्वे भिन्नक्रियारूपेण

(3) द्वौ असम्बन्धिततन्त्ररूपेण

(4) एकलक्रियारूपेण

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

129. 'टॉलमैन' (Tolman) महोदयस्य अधिगमसिद्धान्तः ______ इत्यनेन निर्दिष्टोऽस्ति ।

(1) शास्त्रीय – अनुबन्धनम्

(2) क्रियाप्रसूत – अनुबन्धनम्

(3) सोद्देश्यपूर्ण व्यवहारवादः

(4) गेस्टाल्टवादः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

130. स्कीनर (Skinner) महोदयानुसारं शिक्षणं सर्वाधिकप्रभावीरूपेण प्रवर्तते यदि

(1) सूचना लघुपदेषु प्रस्तुता, स्वगत्याधिगमः, त्वरित प्रतिपुष्टि दीयते

(2) सूचना दीर्घपदेषु प्रस्तुता, स्वगत्याधिगमः, त्वरित प्रतिपुष्टि दीयते

(3) सूचना लघुपदेषु प्रस्तुता, स्वगत्याधिगमः, विलम्बित प्रतिपुष्टि दीयते

(4) सूचना दीर्घपदेषु प्रस्तुता प्रतिपुष्टिं विना अधिगमं भवति

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

131. त्रि–ध्रुवीयशिक्षणाधिगमप्रक्रियायां नास्ति

(1) शिक्षकः

(2) अधिगमकर्ता

(3) पाठ्यक्रमः

(4) विद्यालय–प्रबन्धनम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

132. अधोलिखितेषु विकल्पेषु मनोरचनायाः प्रकारः नास्ति :

(1) युक्तिकरणम् (2) प्रक्षेपणम्

(3) दमनम् (4) प्रत्यास्मरणम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

8229901

133. संवेगात्मिकाबुद्धेः पञ्चप्रमुखतत्वानि सन्ति

(1) आत्मजागरूकता, स्वाधिगमः, संवेगात्मकौशलम्, परानुभूतिः अभिप्रेरणा च

(2) आत्मजागरूकता, स्वाधिगमः, सामाजिककौशलम्, परानुभूतिः अभिप्रेरणा च

(3) आत्मजागरूकता, स्वनियमनम्, सामाजिककौशलम्, सहानुभूतिः, अभिप्रेरणा च

(4) आत्मजागरूकता, स्वनियमनम्, सामाजिककौशलम्, परानुभूतिः अभिप्रेरणा च

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

134. अध्यापकैः किशोरावस्थायाः बालकैः सह कथं व्यवहारः करणीयः ?

(1) शिशुवत् (2) बालवत्

(3) वयस्कवत् (4) लघुवत्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

135. अधोलिखितेषु प्रकारेषु मानसिकस्वास्थ्यदृष्ट्या मनस्तापस्य प्रकारः नास्ति :

(1) कनवर्जन हिस्टीरिया

(2) मनोग्रस्तता-बाध्यता-मनस्तापः

(3) स्थितप्रज्ञता

(4) वियोजनात्मकव्यवहारः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

136. मानसिकस्वस्थव्यक्तेः लक्षणेषु अन्तर्भवति

(1) सांवेगिकास्थिरता

(2) आत्मसम्मानस्याभावः

(3) उच्चाकांक्षास्तरः

(4) परिपक्वता

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

137. एकेन अध्यापकेन सह छात्रसमूहस्य मिथः जायमानं सम्प्रेषणं भवति

(1) अन्तः वैयक्तिकसम्प्रेषणम्

(2) लोक - सम्प्रेषणम्

(3) अन्तर्वैयक्तिक सम्प्रेषणम्

(4) समस्यासम्प्रेषणम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

138. निर्मितिवादिदृष्ट्या किं कथनं सर्वथा उपयुक्तमस्ति

(1) अधिगमे शिक्षकस्य प्रमुखभूमिकास्ति ।

(2) अधिगमकर्ता स्वज्ञानस्य निर्माणे सक्रियो भवति ।

(3) शिक्षकः अधिगमकर्तुः ज्ञानस्य निर्माणे सक्रियो भवति ।

(4) अधिगमकर्ता निष्क्रिय - श्रोता भवति ।

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

139. सूचनाप्रक्रमप्रतिमाने नान्तर्भवति

(1) आगमनप्रतिमानम्

(2) वैज्ञानिकपृच्छाप्रतिमानम्

(3) विकासात्मकशिक्षणप्रतिमानम्

(4) वैयक्तिकशिक्षणप्रतिमानम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

140. पृच्छा-प्रतिमानस्य उपयोगः क्रियते

(1) विषय-ज्ञान-परीक्षणाय

(2) वातावरण - निर्माणाय

(3) अनुशासन - व्यवस्थायै

(4) अन्वेषण - क्षमताविकासाय

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

141. सम्प्रेषणघटकेषु नास्ति

(1) पाठ्यवस्तु (2) शिक्षणविधिः

(3) शिक्षणोपकरणानि (4) आसन्दोपक्रमः

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

142. प्रणाली-उपागमविधेः व्याख्यायै कस्य पदस्य प्रयोगः न जायते ?

(1) प्रणाली – अभियान्त्रिक्याः

(2) प्रणाली – विश्लेषणस्य

(3) संक्रियात्मकशोधस्य

(4) अनुप्रयुक्तशोधस्य

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

822901

143. अधस्तनेषु मापदण्डेषु कः मापदण्डः प्रणाली-उपागमानुदेशनस्य मुख्यमापदण्डरूपेण न समाविष्टः ?

(1) पर्यावरण – सन्दर्भः

(2) प्रक्रिया

(3) घटनावृतम्

(4) अदा (Input)

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

822901

144. अधोलिखित शब्देषु एकः शब्दः संगणकाधारिताधिगमेन (CAL) सम्बद्धो नास्ति । स च शब्दः अस्ति

(1) पॉडकास्ट और ऑडियो स्ट्रीम

(2) ऑनलाइन संवाद

(3) संगणकाधारित परीक्षणम् (CBT)

(4) दल शिक्षणम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

822901

145. इंफोटेक (Infotech) नाम किम् ?

(1) सूचना प्रौद्योगिकी (2) सम्प्रेषणम्

(3) सङ्गणकम् (4) अन्तर्जालम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

822901

146. एतादृशं कक्षाशिक्षणं यत्र छात्र – शिक्षकयोर्मध्ये प्रत्यक्षसम्बन्धं न भूत्वाऽपि वास्तविककक्षायाः शिक्षणाधिगमानुभवं प्राप्तुं शक्यते –

(1) कक्षाद्वारा

(2) पत्राचारपाठ्यक्रममाध्यमेन

(3) स्मार्टकक्षाद्वारा

(4) आभासीयकक्षाद्वारा

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

147. शिक्षकः मनोवैज्ञानिकदृष्ट्या पाठ्यक्रमनिर्माणसमये निम्नलिखितबिन्दो उपरि ध्यानं स्थापयति :

(1) बालकानाम् अङ्कप्राप्तेः उपरि

(2) पाठस्य कण्ठस्थीकरणस्योपरि

(3) बालकानां रुचि-अभिवृत्ति-विकासानामुपरि

(4) शिक्षणस्योपरि

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

148. मनोवैज्ञानिकदृष्ट्या अत्यधिगमः (overlearning) प्रभावी भवति

(1) सामान्याध्ययनसामग्रीणां कृते

(2) विशिष्टाध्ययनसामग्रीणां कृते

(3) विशिष्टमूर्ताध्ययनसामग्रीणां कृते

(4) सामान्यं विशिष्टञ्चाध्ययनसामग्रीणां कृते

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

149. मनोवैज्ञानिकदृष्ट्या शिक्षकस्य कृते शिक्षणनियोजने किं न करणीयम् ?

(1) कार्यविश्लेषणम्

(2) शिक्षणोद्देश्यानाम् अभिज्ञानम्

(3) उद्देश्यानां लेखनम्

(4) मोबाइल-इत्यत्र दृष्ट्वा अध्यापनम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

150. अग्रांकितेषु मनोविज्ञानसम्मतशिक्षणाधिम प्रक्रियायाः उपयुक्तसोपानक्रमः अस्ति

(1) नियोजनम् → अग्रसरणम् → व्यवस्था → नियन्त्रणम्

(2) नियोजनम् → व्यवस्था → नियन्त्रणम् → अग्रसरणम्

(3) नियोजनम् → नियन्त्रणम् → व्यवस्था → अग्रसरणम्

(4) नियोजनम् → व्यवस्था → अग्रसरणम् → नियन्त्रणम्

(5) अनुत्तरितः प्रश्नः

रफ कार्य के लिए स्थान / SPACE FOR ROUGH WORK

822901

822901

822901

822901